हाथों में निशान मेरे | by Anjali Dwivedi

यूँ तो हर ग्यारस पे मैं आता हूँ
जो भी चाहूँ बाबा तुमसे पाता हूँ

जय श्री श्याम प्रेम से सारे बोलो जय श्री श्याम

जब तक फागुन मेला तेरा आता नहीं है
हाथो निशान मेरे लहराता नहीं है
ना चैन मुझे ना नींद है आती
तेरी यादें बड़ा तड़पाती
जब तक फागुन मेला .....

यूँ तो हर ग्यारस पे मैं आता हूँ
जो भी चाहूँ बाबा तुमसे पाता हूँ
पर फागण मेले की बात निराली है
ग्यारस और बारस को होली दिवाली है
होली दिवाली है.....
उस दिन जैसा तू प्यार लुटाता नहीं है
कृपा वैसी पूरे साल बरसाता नहीं है
ना चैन मुझे ना नींद है आती
तेरी यादें बड़ा तड़पाती
जब तक फागुन मेला .....

चार दिनों तक तेरे संग रहना
कुछ कहना और कुछ सुनना
हर पल बस तेरा ही मैं दीदार करूँ
इसीलिए फागण का इंतज़ार करूँ
इंतज़ार करूँ.....
हर फागण में तू चंग पे नचाता नहीं है
तो दिल मेरा यूँ ही ललचाता नहीं है
ना चैन मुझे ना नींद है आती
तेरी यादें बड़ा तड़पाती
जब तक फागुन मेला .....

चाहे पूरे साल तू बुला न आ बुला
पर फागुन का बाबा टूटे ना सिलसिला
अंजलि की भावांजलि तू सुन लेना प्रभु
श्याम कहे इतनी कृपा कर देना प्रभु
कृपा कर देना प्रभु.....
पल भर भी बेटे को तू भुलाता नहीं है
तेरे जैसे कोई लाड लड़ाता नहीं है
ना चैन मुझे ना नींद है आती
तेरी यादें बड़ा तड़पाती
जब तक फागुन मेला .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%a8-

%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-anjali-dwivedi/